ये अव्यक्त इशारे

विजयी रत्न बनना है तो प्रीत बुद्धि बनो

5-08-2024

प्रीत बुद्धि वालों के मुख से, उनके दिल से सदैव यही बोल निकलेंगे –तुम्हीं से खाऊं, तुम्हीं से बैठूँ, तुम्हीं से बोलूँ, तुम्हीं से सुनूँ, तुम्हीं से सर्व सम्बन्ध निभाऊं, तुम्हीं से सर्व प्राप्ति करुं। उनके नैन, उनका मुखड़ा न बोलते हुए भी बोलता है। तो चेक करो ऐसे विनाश काले प्रीत बुद्धि बने हैं अर्थात् एक ही लगन में एकरस स्थिति वाले बने हैं ?

Have a loving intellect in order to become a victorious jewel.

The words that emerge from the lips and hearts of those who have a loving intellect are: I eat with You, I sit with You, I talk to You, I listen to You, I fulfil all my relationships with You and I receive all attainments from you. Their eyes and lips speak without speaking. So check: Have I become one with a loving intellect at the time of destruction in this way? That is, do I have a stable and constant stage in the love of One?